



Knowledge is wealth

NEL/050/2024

Date:03rd September, 2024

The Secretary
National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, 5th Floor, Plot No. C/1,
'G' Block, Bandra-Kurla Complex,
Bandra (East), Mumbai – 400051

Corporate Relationship Department
Bombay Stock Exchange Ltd.
1st Floor, New Trading Ring,
Rotunda Building, P. J. Towers,
Dalal Street, Fort, Mumbai – 400001.

Ref: Symbol– NAVNETEDUL
Ref: Scrip Code – 508989

Subject: Submission of post buyback public advertisement dated September 02, 2024 (“Post Buyback PA”) for the buyback of equity shares of Navneet Education Limited (“Company”) of face value of Rs. 2/- each (“Equity Shares”) on a proportionate basis, through the tender offer route using stock exchange mechanism pursuant to the provisions of the SEBI (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 (“Buyback Regulations”), as amended from time to time (“Buyback”), in compliance with Regulation 30 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended (“SEBI Listing Regulations”).

We are pleased to inform you that pursuant to Regulation 24 (vi) of the Buyback Regulations, the Company has published the Post Buyback PA on September 03, 2024, in the newspapers mentioned below:

Name of the Newspaper	Language	Editions
Business Standard	Hindi & English	All Editions
Navshakti	Marathi	Mumbai Edition

In this regard, enclosed herewith is the Post Buyback PA published in Business Standard (English), in compliance with Regulation 30 of SEBI Listing Regulations, for your information and record.

You are requested to kindly take the same on record.
Thanking You

For Navneet Education Limited

Amit D. Buch
Company Secretary
Membership No: A15239

NAVNEET EDUCATION LIMITED
CIN: L22200MH1984PLC034055

Navneet Bhavan, Bhavani Shankar Road, Near Shardashram Society, Dadar (W), Mumbai 400 028, India.
Tel.: 022 6662 6565 • email: nel@navneet.com • www.navneet.com • [/navneet.india](https://www.facebook.com/navneet.india)

बाजारों का तेजी का अभियान

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निपटी बढ़त के साथ नई ऊंचाई पर बंद हुए

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 2 सितंबर

देसी शेयर बाजारों का रिकॉर्ड तोड़ अभियान जारी है। अमेरिका में व्याज कटौती की बढ़ती उम्मीदों ने खरीदारी का माहील बनाए रखा जिससे सोमवार को बाजारों में 13वें दिन बढ़ोतारी दर्ज हुई। बैंचमार्क निपटी-50 लगातार 13वें दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। इस अवधि में निपटी करीब 5 फीसदी चढ़ा है। इहले यह सूचकांक अधिकतम 11 कारोबारी सत्रों में ही चढ़ा था।

25,334 के ऊंचे स्तर को छूने के बाद 50 शेयरों वाला ब्लूचिप डैटेक्स 43 अंकों की बढ़त के साथ 25,279 पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 194 अंकों के इजाफे के साथ 82,560 पर कारोबार की समाप्ति की। दोनों ही सूचकांकों ने इंट्रोड और बंद आधार पर नई ऊंचाई को छूआ। इसकी अगुआई उपभोक्ता और सॉफ्टवेयर शेयरों ने की। बीएसई में सूचीबद्ध फर्मों का संयुक्त बाजार पूँजीकरण 45,000 करोड़ रुपये बढ़कर 464.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इनफोसिस और आईटीसी ने बढ़त को गति दी।

अच्छे मार्गसुन के बाद ग्रामीण मार्ग में सुधार की उम्मीद से आईटीसी के शेयरों में बढ़त को बढ़ाया गया। इन्फोसिस समेत आईटी शेयर इसलिए चढ़े क्योंकि उनके राजस्व का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। हालांकि कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि आईटी शेयरों में तेजी ताकिंग नहीं है। इन्फोसिस के संस्थान के साथ आईटी शेयरों में बढ़त अब इनकी मांग बढ़ने से हो रही है।

पिछले कुछ वर्षों में डॉलर में इनका राजस्व एक अंक में रहा है। विदेशी निवेशकों ने 1,735 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। अमेरिकी इन्फोसिस के माहील चैन ने बढ़त को अवश्यक घोषित किया है।

ब्लूचिप के आंकड़ों के अनुसार ट्रेडर मानकर चल रहे हैं कि अमेरिकी दोरों में कटौती का चक्र सितंबर में शुरू होगा और कुछ तो 50 अधिक अंकों की कटौती मानकर चल रहे हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि अगर फेड दरें घटाता

हैं तो भी इक्विटी की तेजी खत्म हो जाएगी। जेपी मॉर्गन चेज ऐड कंपनी ने कहा कि व्याज दरों में कटौती वृद्धि में नरमी के जवाब में होती है।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी खराब से बाहर नहीं है और भूराजीनीतिक और राजनीतिक अविचितता बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त रिटर्नबॉक का महीना प्रेतिहासिक तौर पर अमेरिकी इन्फोसिस के लिए खराब रहा है। कई दौरों के प्रोत्साहन के बावजूद चैन की अर्थव्यवस्था में सुधार न होने का अस्त्र भी निवेशकों की मानोदेशा पर है। अमेरिकी चुनाव के अलावा बोरेजगारी के शुरुआती आंकड़े, गैर-कृपी रोजगार के आंकड़े और दुनिया भर के अन्य आर्थिक आंकड़े बाजार की आगे की दिशा तय करेंगे।

जियोथक फाइनैंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनान नायर ने कहा कि भारतीय बाजार मजबूती से टिके हैं और थोड़ी सकारात्मकता के साथ नई ऊंचाई की ओर हैं। सकारात्मक रुझान

में भी खाली रुपये के खरीदार रहे।

बाजार में अंकों की अवैधता के अनुसार अधिक निवेशकों ने बढ़त को अवश्यक घोषित किया है। इससे पता चलता है कि ज्यादातर व्यवितार निवेशक तुरंत लाभ के लिए आईपीओ में आवेदन कर रहे हैं।

सेबी की प्रेस वित्तियों में बहा गया है कि अध्ययन में एक मजबूत मोर्चवृति देखी गई जिसमें निवेशकों ने घाटे में सूचीबद्ध शेयरों की तुलना में सकारात्मक लिटिंग लाभ दर्ज करने वाले आईपीओ शेयरों को बेचने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। इसमें कहा गया है कि सूचीबद्धता पर जितना ज्यादा काफरद दिखा, वेचने वाले निवेशकों की संख्या भी ज्यादा होगी।

नियामक ने कहा, जब आईपीओ रिटर्न 20 फीसदी

से ज्यादा रहा तो वैयक्तिक निवेशकों ने एक हफ्ते के

भीतर वैल्यू के लिहाज से 67.6 फीसदी शेयर बेच दिए।

इसकी तुलना में वैल्यू के लिहाज से सिफ्ट 23.3 फीसदी

शेयर तब बेचे गए जब रिटर्न नकारात्मक रहा।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि एचएसआई और एपीएसी के ज्यादा आवेदन का स्तर घटा क्योंकि एन्वाइएफसी के आईपीओ फाइर्स करने पर अरवीआई ने अप्रैल

में एक निवेशकों की संख्या भी ज्यादा हो गई।

सेबी की अध्ययन से पता चलता है कि ज्यादातर आईपीओ आवेदक तुरंत लाभ के साथ शेयरों का बेचना चाहते हैं।

2022 में एक करोड़ रुपये की सीमा लगा दी थी।

एक करोड़ रुपये से ज्यादा का आवेदन करने वाले एचएसआई आवेदकों की औसत संख्या अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि में 626 प्रति आईपीओ थी जो अप्रैल 2022 से दिसंबर 2023 के बीच घटकर करीब 20 रह गई।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए एचएसआई और एपीएसी के ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। इसमें कहा गया है कि सूचीबद्धता पर जितना ज्यादा काफरद दिखा, वेचने वाले निवेशकों की संख्या भी ज्यादा होगी।

नियामक ने कहा, जब आईपीओ रिटर्न 20 फीसदी

से ज्यादा रहा तो वैयक्तिक निवेशकों ने एक हफ्ते के

भीतर वैल्यू के लिहाज से 67.6 फीसदी शेयर बेच दिए।

इसकी तुलना में वैल्यू के लिहाज से सिफ्ट 23.3 फीसदी

शेयर तब बेचे गए जब रिटर्न नकारात्मक रहा।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि एचएसआई और एपीएसी के ज्यादा आवेदन का स्तर घटा क्योंकि एन्वाइएफसी के आईपीओ फाइर्स करने पर अरवीआई ने अप्रैल

में एक निवेशकों की संख्या भी ज्यादा हो गई।

सेबी की अध्ययन से पता चलता है कि ज्यादातर आईपीओ आवेदक तुरंत लाभ के साथ शेयरों का बेचना चाहते हैं।

2022 में एक करोड़ रुपये की सीमा लगा दी थी।

एक करोड़ रुपये से ज्यादा का आवेदन करने वाले एचएसआई आवेदकों की औसत संख्या अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि में 626 प्रति आईपीओ थी जो अप्रैल 2022 से दिसंबर 2023 के बीच घटकर करीब 20 रह गई।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए 144 आईपीओ

में से 75 फीसदी यानी 108 ने सकारात्मक रिटर्न दिया

वहाँ 26 आईपीओ ने सूचीबद्धता के दिन 50 फीसदी

से ज्यादा का रिटर्न दिया। नियामक ने 9 करोड़ से ज्यादा

युनिक आईपीओ निवेशकों के निवेश टैर्न का अध्ययन

किया है।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए 144 आईपीओ

में से 75 फीसदी यानी 108 ने सकारात्मक रिटर्न दिया

वहाँ 26 आईपीओ ने सूचीबद्धता के दिन 50 फीसदी

से ज्यादा का रिटर्न दिया। नियामक ने 9 करोड़ से ज्यादा

युनिक आईपीओ निवेशकों के निवेश टैर्न का अध्ययन

किया है।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए 144 आईपीओ

में से 75 फीसदी यानी 108 ने सकारात्मक रिटर्न दिया

वहाँ 26 आईपीओ ने सूचीबद्धता के दिन 50 फीसदी

से ज्यादा का रिटर्न दिया। नियामक ने 9 करोड़ से ज्यादा

युनिक आईपीओ निवेशकों के निवेश टैर्न का अध्ययन

किया है।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए 144 आईपीओ

में से 75 फीसदी यानी 108 ने सकारात्मक रिटर्न दिया

वहाँ 26 आईपीओ ने सूचीबद्धता के दिन 50 फीसदी

से ज्यादा का रिटर्न दिया। नियामक ने 9 करोड़ से ज्यादा

युनिक आईपीओ निवेशकों के निवेश टैर्न का अध्ययन

किया है।

2.13 लाख करोड़ रुपये की जुटाए गए 144 आईपीओ

में से 75 फीसदी यानी 108 ने सकारात्मक रिटर्न दिया

वहाँ 26 आईपीओ ने सूचीबद्धता के दिन 50 फीसदी

से ज्यादा का रिटर्न दिया। नियामक ने 9 करोड़ से ज्यादा

युनिक आईपीओ निवेशकों के निवेश टैर्न का अध्ययन

